ॐ

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम् विषय-हिन्दी

दिनांक-27/05/2020 क्षितिज-गद्य खंड

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

शुभ प्रभात बच्चों,

आपका दिन मंगलमय हो,

कल की कक्षा में पाठ 1 से कुछ प्रश्न दिया गया था उसे आपने बना लिया होगा। आज हम लोग पुनः पाठ- 2 की ओर चलते हैं ।पाठ- 2 में राहुल सांकृत्यायन द्वारा रचित 'ल्हासा की ओर' पढ़ेंगे। यह एक यात्रा संस्मरण है ।इसमें लेखक ने अपने अनुभव को पाठकों के समक्ष रखा है।
~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

ल्हासा की ओर

लेखक परिचय- राहुल सांकृत्यायन जी को महा पंडित की उपाधि दी गई है।वे हिंदी के एक प्रमुख साहित्यकार थे। वे एक प्रतिष्ठित बहुभाषाविद् थे और बीसवीं सदी के पूर्वार्ध में उन्होंने यात्रा वृतांत/यात्रा साहित्य तथा विश्व-दर्शन के क्षेत्र में साहित्यिक योगदान किया। वह हिंदी यात्रासहित्य के पितामह कहे जाते हैं। बौद्ध धर्म पर उनका शोध हिन्दी साहित्य में युगान्तरकारी माना जाता है, जिसके लिए उन्होंने तिब्बत से लेकर श्रीलंका तक भ्रमण किया था। इसके अलावा उन्होंने मध्य-एशिया तथा कॉकेशस भ्रमण पर भी यात्रा वृतांत लिखे जो साहित्यिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण हैं।

राहुल सांकृत्यायन

२१वीं सदी के इस दौर में जब संचार-क्रान्ति के साधनों ने समग्र विश्व को एक 'ग्लोबल विलेज' में परिवर्तित कर

दिया हो एवं इण्टरनेट द्वारा ज्ञान का समूचा संसार क्षण भर में एक क्लिक पर सामने उपलब्ध हो, ऐसे में यह अनुमान लगाना कि कोई व्यक्ति दुर्लभ ग्रन्थों की खोज में हजारों मील दूर पहाड़ों व नदियों के बीच भटकने के बाद, उन ग्रन्थों को खच्चरों पर लादकर अपने देश में लाए, रोमांचक लगता है। पर ऐसे ही थे भारतीय मनीषा के अग्रणी विचारक, साम्यवादी चिन्तक, सामाजिक क्रान्ति के अग्रदूत, सार्वदेशिक दृष्टि एवं घुमक्कड़ी प्रवृत्ति के महान पुरूष राहुल सांकृत्यायन।

राहुल सांकृत्यायन के जीवन का मूलमंत्र ही घुमक्कड़ी यानी गतिशीलता रही है। घुमक्कड़ी उनके लिए वृत्ति नहीं वरन् धर्म था। आधुनिक हिन्दी साहित्य में राहुल सांकृत्यायन एक यात्राकार, इतिहासविद्, तत्वान्वेषी, युगपरिवर्तनकार साहित्यकार के रूप में जाने जाते है।

जन्म: 9 अप्रैल 1893, कनैला

मृत्यु: 14 अप्रैल 1963, दार्जीलिंग

भाषा: हिन्दी, पाली, प्राकृत, अपभ्रंश

अन्य नाम: केदारनाथ पाण्डे, दामोदर स्वामी

इनसे प्रभावित: गौतम बुद्ध, कार्ल मार्क्स, व्लादिमीर लेनिन, माओ से-तुंग

पुरस्कार: पद्म भूषण, साहित्य अकादमी पुरस्कार

<u>कहानियाँ:</u>

1. *सतमी के बच्चे*
2. *वोल्गा से गंगा*
3. *बहुरंगी मधुपुरी*
4. *कनैला की कथा*

<u>उपन्यास:</u>

1. *बाईसवीं सदी*
2. *जीने के लिए*
3. *सिंह सेनापति*

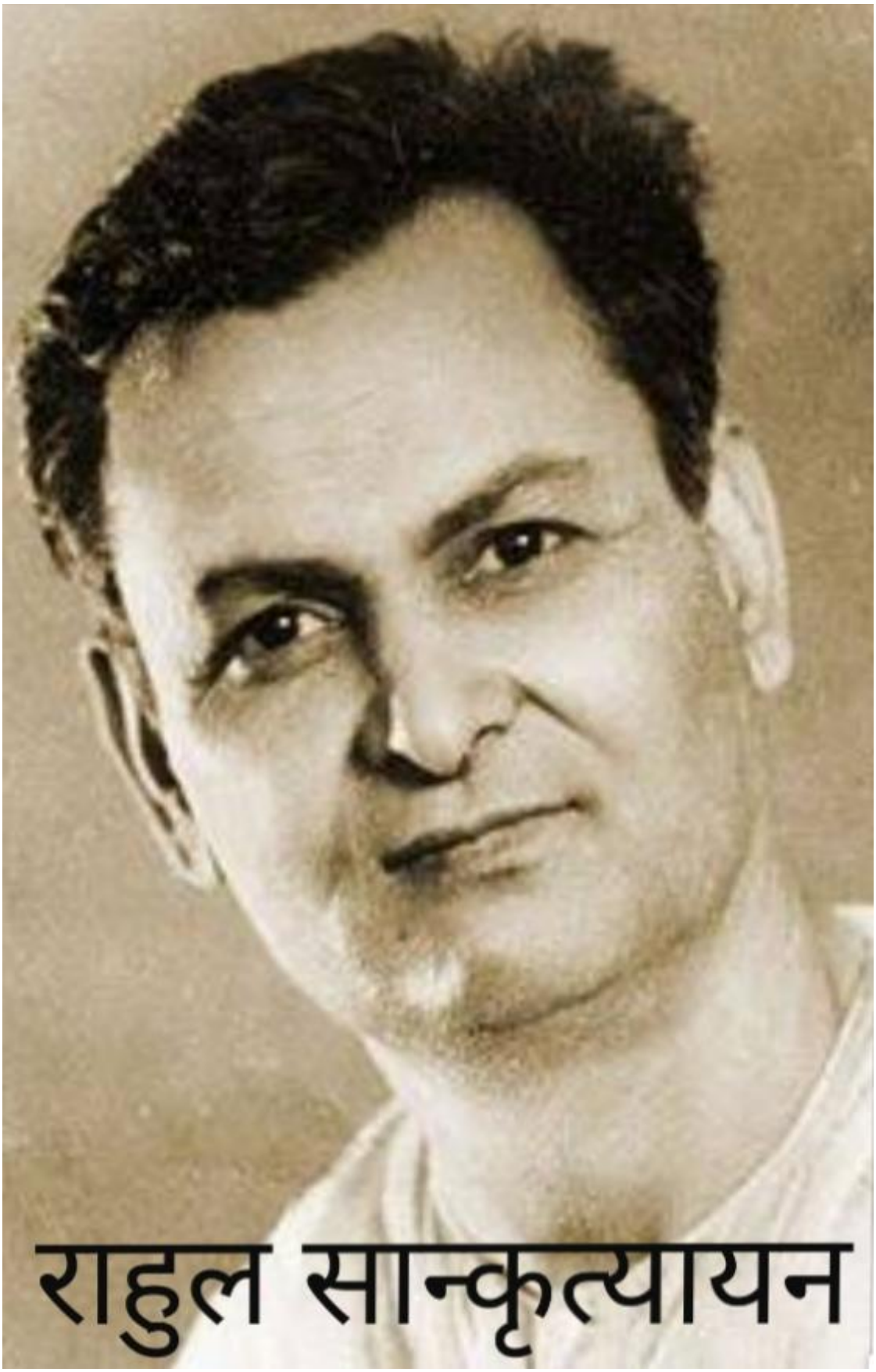
राहुल सान्कृत्यायन

5.

6.

7. 'लहासा की ओर' के पठन-पाठन की ओर कल पुनः मिलते हैं। तब तक आप लेखक परिचय अपनी उत्तर पुस्तिका में लिख लेंगे एवं इसे पढ़ें।

8. धन्यवाद

9. कुमारी पिंकी "कुसुम"

10.

11.

1.

2.

1.

2.